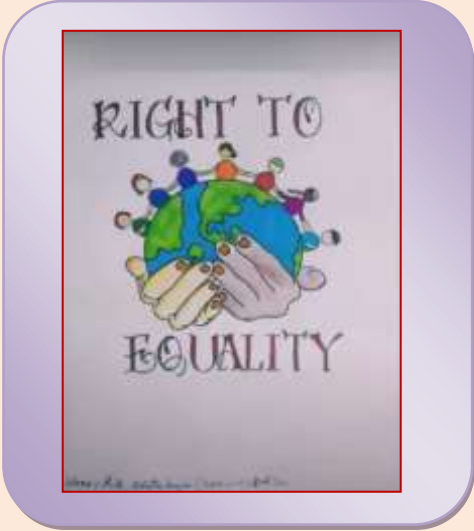


*Creative Expression*

*Talented Students of IUJ participated in Poster making competition in Constitutional day and other online events.*



**Nivedita Nayan BBA**



**Sonu Anand BBA LLB**



**Sanchit from ANJALI SINGHRAJ BCA 2020 BATCH**



**Siddhi Bohra MBA 2020**



**Shobhit Kumar MBA 2020**

## जीवन की पगडंडियों पर आगे बढ़ता जाता हूँ

जीवन की पगडंडियों पर आगे बढ़ता जाता हूँ,  
मन में उत्साह का दीप, मैं सदा जलाता हूँ,  
अनगिनत बाधाओं से, मैं नहीं डरता हूँ,  
उत्कृष्टता की ओर, सदा अग्रसर रहता हूँ।

उपहास को मैं एक, उपहार स्वरूप समझता हूँ,  
सपनों को साकार करने का, अथाह प्रयास मैं करता हूँ,  
लक्ष्य ना हो ओझल, यह दृण निश्चय मैं करता हूँ,  
इसी आशा से, मैं हर कल की प्रतीक्षा करता हूँ।

सफलता ना बनें गंतव्य, इस विचार से आगे बढ़ता हूँ,  
आलस्य के अभिशाप से, खुद को भिन्न रखता हूँ,  
कठिन परिस्थितियों को, मैं अपना मित्र समझता हूँ,  
जीवन की पगडंडियों पर आगे बढ़ता जाता हूँ।

जीवन की पगडंडियों पर आगे बढ़ता जाता हूँ।

- अकिंचन

Poem by Dr. Akinchan Buddhodev Sinha, Alumnus of  
Ph.D IUJ

(Deputy Director at The Institute of Company  
Secretaries of India, New Delhi)